दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, गौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सलरनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 8 अंक 326 | लखनऊ, मंगलवार, 18 जून , 2019 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

'इन्नोवेसन टेकनोलोजी मैंनेजमेंट' की पुस्तक का विमोचन

लखनऊ। सेन्टर फार इजुकेशन ग्रोथ व रिसर्च संस्थान (सी.ई.जी.आर), नई दिल्ली द्वारा उनकी 14वीं पुस्तक का विमोचन अभी हाल मे हुआ था। जिसमे स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज. लखनऊ के महानिदेशक डॉ0 भरत राज सिंह द्वारा उनके 3.चैप्टर्स होने से एस.एम.एस. के इतिहास में एक गौरवमयी उपलब्धि और दर्ज हो गई । श्री रवीश रोशन, निदेशक सी.ई.जी.आर. द्वारा अवगत कराया गया किए यह पुस्तक भारतवर्ष में अपनी तरह की अलग पहचान वाली 'पहली-पुस्तक' प्रकाशित हुई हैं, जिसमें पाठ्यक्रम के अनुसार सभी 14.मूल.चैप्टर्स शामिल किए गये है। आशा है कि विद्यार्थियों व शिक्षको के लिएए यह एक प्रकार की अनोखी पुस्तक साबित होगी, जिसमें उनकी जिज्ञासा के सभी प्रश्नों के उत्तर मिल सकेगे।

इस पुस्तक के मुख्यसम्पादक, श्री ए.पी. मित्तल, सदस्य.सचिव,अखिल भारतीय तकनीकी परिषद है, तथा इसका विमोचन प्रबन्धन, की एक कार्यशाला के दौरान डॉ0 रमेश उन्नीकृष्णन, निदेशक अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषदए डॉ0 सोनाली सिन्हा, सी0ओ0ओ0, एवं एस0डी0सी0, श्री कुँवर शेखर विजेन्द्र कुलाधिपति, शोभित विश्वविद्यालय,श्री वी0एम0 बन्सल, अध्यक्षए नई दिल्ली प्रबन्धन संस्थानए तथा विभिन्न क्षेत्र के प्रख्यात शिक्षाविदो की उपस्थिति में किया गया । डॉ0 सिंह द्वारा इस पुस्तक में एक अग्रणी भूमिका निभाई गयी क्योकि उनके ही सर्वाधिक चैप्टरों को सामिल करने से पुस्तक का शिक्षा जगत मे एक विशेष पायदान प्राप्त हुआ है । इनके द्वारा 14.चैप्टर की इस पुस्तक में 3.चैप्टर स्वयं द्वारा तैयार कर एक कीर्तिमान स्थापित किया गया है। स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज के अध्यक्ष, श्री एस0के0 सिंह तथा सचिव व कार्यकारी अधिकारी, श्री शरद सिंह ने संस्थान की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर की तथा प्रख्यात.शिक्षाविद व पर्यावरणविद, डा0 सिंह को उनके शिक्षा जगत में किये गये इस अद्वितीय योगदान हेतु सरहना की।